अल्लाह के नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने नज्जाशी के ज़नाज़े की नमाज़ पढ़ी और मैं दूसरी अथवा तीसरी पंक्ति में था।

जाबिर बिन अब्दुल्लाह- रज़ियल्लाहु अन्हुमा- कहते हैं कि अल्लाह के नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने नज्जाशी के ज़नाज़े की नमाज़ पढ़ी और मैं दूसरी अथवा तीसरी पंक्ति
में था।
[सह़ीह़] [इसे बुख़ारी एवं मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

जाबिर बिन अब्दुल्लाह -अल्लाह उनसे प्रसन्न हो- कहते हैं कि अल्लाह के नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- ने नज्जाशी की गायबाना नमाज़-ए-जनाज़ा पढ़ी और वह ख़ुद भी नमाज़ पढ़ने वालों में शामिल थे, किन्तु उन्हें याद नहीं रहा कि वह दूसरी पंक्ति में थे अथवा तीसरी पंक्ति में? लेकिन यह उस समय कहा जाएगा, जब संदेह स्वयं उन्होंने ही व्यक्त किया हो, किसी वर्णनकर्ता ने नहीं।

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/4851